

आईआईटी कानपुर ने तैयार किया आत्मघाती ड्रोन

चर्चा में क्यों?

10 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार दुश्मनों की खोजखबर की जानकारी देने वाले ड्रोन के सफल संचालन के बाद अब आईआईटी कानपुर ने आत्मघाती ड्रोन तैयार किया है। यह ड्रोन दुश्मन के ठकाने पर जाकर खुद ही फट जाएगा।

प्रमुख बटु

- जानकारी के अनुसार आईआईटी के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. सुब्रमण्यम सडरेला और उनकी टीम ने इसे विकसित किया है।
- यह आत्मघाती ड्रोन भारतीय सीमा से 100 किलोमीटर की दूरी तय कर वार करेगा। 100 किलोमीटर पहुँचने में इसे 40 मिनट का समय लगेगा।
- आईआईटी के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. सुब्रमण्यम सडरेला ने बताया कि दुश्मनों की रडार में न आने के लिये इसमें स्टेल्थ तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।
- यह ड्रोन अलगाव से चलता है। मतलब, यह खुद भी फ़ैसला ले सकेगा और इसे बेस स्टेशन से रिमोट से भी नियंत्रित किया जा सकता है। ड्रोन निर्धारित टारगेट से सिर्फ़ दो मीटर ही भटक सकता है। यह दिन के अलावा रात में भी उड़ान भरने में सक्षम है।
- प्रो. सडरेला ने बताया कि डीआरडीओ के डीवाईएसएल प्रोजेक्ट के तहत एक साल से इस ड्रोन पर रिसर्च काम चल रहा है। यह दो मीटर लंबा फोल्डेबल फ़ाइबर ग्लास वाला ड्रोन है। यह 100 मीटर से साढ़े चार किलोमीटर की ऊँचाई तक उड़ने में सक्षम है।
- प्रो. सडरेला ने बताया कि यह ड्रोन स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है। यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) तकनीक पर काम करेगा। इस ड्रोन में सेना की ज़रूरतों के मुताबिक बदलाव भी संभव होगा।
- ड्रोन की वगि में कैमरे और इन्फ्रारेड सेंसर लगे हैं। इसे कंट्रोलर या कैनसिटर लांचर से लांच किया जा सकता है। एआई तकनीक की मदद से यह ड्रोन जीपीएस बलॉक होने के बाद भी टारगेट को तबाह कर देगा।
- ड्रोन पर आईआईटी के वैज्ञानिक लगातार रिसर्च कर रहे हैं। आपदा और सेना की ज़रूरतों के मुताबिक रिसर्च कर ड्रोन विकसित किया जा रहा है। ड्रोन छह महीने के ट्रायल के बाद पूरी तरह से तैयार हो जाएगा।



